UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

विषय हेतु मार्गदर्शक:-

तिरुप तिवारी : तिरुप को मुखर्जी नगर, दिल्ली एवं गुरुग्राम के स्तरीय संस्थानों में सिविल सेवा अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करने का तीन वर्ष से अधिक का अनुभव है | उनका उर्जावान व्यक्तित्व कक्षा को रोचक और स्फूर्तिवान बनाये रखता है | वे हिंदी माध्यम के बैच में संविधान, राजव्यवस्था और अर्थशास्त्र पढ़ाते हैं |

पवन पाण्डेय : वे विभिन्न विषयों के गंभीर विद्यार्थी और बहुभाषी है **।** उनकी शिक्षा-दीक्षा लखनऊ में हुई है और उन्होंने गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय से **B. Tech.** की डिग्री प्राप्त की है **।** वे सफलता हेतु एक सुव्यवस्थित कार्यशैली में विश्वास रखते हैं एवं सिविल सेवा परीक्षाओं हेतु तैयारी में व्यावहारिकता पर जोर देते हैं **।** उन्होंने कई विषयों पर पुस्तकें भी लिखीं हैं **।**

- समयावधि: **50-60** दिन
- विशेषताएं:-
    1. प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु एकीकृत कोर्स
    2. अवधारणात्मक स्पष्टता हेतु विस्तृत नोट्स
    3. दैनिक उत्तर लेखन अभ्यास
    4. संदेह निवारण सत्र
- नोट्स का आधार
    1. लक्ष्मीकांत
    2. An Uncertain Glory: India and Its Contradictions: Amartya Sen and Jean Drèze
    3. India Year Book
    4. Indian Administration: SR Maheshwari
    5. Current Affairs: Indian Express and PIB

1- **भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना**

- संवैधानिक विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि **(**रेग्युलेटिंग एक्ट **1773-** भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम **1947)**
- संविधान निर्माण
- संविधान की विशेषताएं
- संघात्मक एवं एकात्मक शासन
- संसद एवं अध्यक्षात्मक शासन
- केंद्रीकृत एवं विकेंद्रीकृत विशेषताएं
- भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य के रूप में
- संविधान संशोधन प्रक्रिया: लचीला और कठोर संविधान
- कुछ महत्वपूर्ण संशोधन
- महत्वपूर्ण आसन्न संशोधन
- भारत में विधि निर्माण की प्रक्रिया

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

- विधि निर्माण में संवैधानिक निकायों एवं गैर संवैधानिक निकायों की भूमिका
- मूल ढांचा और इसका विकास
- प्रस्तावना के मूल्य
- भारतीय संविधान में बहुमत के प्रकार
- राज्य के नीति के निदेशक तत्व, मूल अधिकार:
- संविधान के विभिन्न सिद्धांत जैसे विधि की सम्यक प्रक्रिया, विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया,
- सिद्धांत एवं उनसे सम्बंधित शब्दपद

2- संघ एवं राज्य के कार्य एवं उत्तरदायित्व

- सरकार के नियामक दायित्व
- सरकार के विकासात्मक दायित्व
- सरकार को सेवा प्रदान करने वाले दायित्व
- प्रवर्तन में समस्याएँ
- सुधार हेतु सुझाव
- संघ, राज्य एवं स्थानीय शासन के मध्य अंतर्संबंध एवं इनकी भूमिका
- वित्त हस्तांतरण संबंधित संवैधानिक प्रावधान
- वित्त हस्तांतरण के मुद्दे

3- संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे एवं चुनौतियां

- प्रशासनिक संबंध
- विधायी संबंध
- वित्तीय संबंध
- अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग
- समवर्ती सूची से संबंधित मुद्दे
- राज्यपाल की नियुक्ति से संबंधित मुद्दे
- राज्य निर्माण से संबंधित मुद्दे
- वित्त का अनुपयुक्त हस्तांतरण
- राष्ट्रपति निर्णय हेतु संरक्षित विधेयक
- केंद्र प्रायोजित योजनाएं एवं मुद्दे
- विभिन्न राज्यों हेतु विशेष पैकेज
- **1990** के सुधार के पश्चात केंद्र एवं राज्य से संबंधित मुद्दे
- विदेश नीति एवं केंद्र और राज्य के संबंध

4- विभिन्न घटकों के मध्य शक्ति का पृथक्करण, विवाद निस्तारण तंत्र एवं संस्थाएँ

- अमेरिका एवं ब्रिटेन के संविधान की विशेषता
- भारतीय संविधान में उपरिलिखित विशेषताएँ

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

- भारतीय संविधान में शक्ति पृथक्करण सम्बंधित उपबंध
- न्यायिक पुनरावलोकन
- शक्ति के विभाजन का सिद्धांत

5- विवाद निस्तारण तंत्र एवं संस्थान

- विवाद निस्तारण तंत्र क्या है ?
- विवाद निस्तारण तंत्र की आवश्यकता
- प्रशासनिक न्यायाधिकरण एवं संबंधित मुद्दे
- फास्ट ट्रैक अदालत एवं संबंधित मुद्दे
- ग्राम न्यायालय एवं संबंधित मुद्दे
- पारिवारिक, महिला, लोक अदालत एवं संबंधित मुद्दे
- नालसा**(NALSA)** एवं संबंधित मुद्दे
- कमजोर वर्ग के विवाद निस्तारण संबंधित मुद्दे

6- भारतीय संविधान की अन्य देशों के साथ तुलना

- अमेरिका, ब्रिटेन, भारत एवं पड़ोसी देशों की तुलना

7- संसद एवं राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार एवं उनसे सम्बंधित विषय

- संसद के कार्य
- राज्यसभा की संरचना
- लोकसभा की संरचना
- राज्य विधानसभा एवं राज्य विधान परिषद की संरचना
- सांसद एवं विधायक की योग्यता एवं अयोग्यता
- पद की रिक्तता
- संसद सत्र
- विधि निर्माण प्रक्रिया
- संसद एवं राज्य विधानसभा के अधिकारी गण
- संसदीय कार्यवाही
- संसद में प्रस्ताव एवं संकल्प
- शक्तियां एवं विशेषाधिकार
- वित्तीय कार्यवाही
- लोकसभा एवं राज्यसभा की तुलना
- राज्य विधानसभा एवं राज्य विधान परिषद की तुलना
- संसद में महिला आरक्षण एवं संबंधित मुद्दे
- संसदीय समितियां
- संसद एवं न्यायिक सक्रियता
- प्रत्यायोजित विधान एवं मुद्दे

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

8- कार्यपालिका एवं न्यायपालिका की संरचना, संगठन , और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग- प्रभावक समूह, अनौपचारिक संघ तथा राजव्यवस्था में उनकी भूमिका

- राष्ट्रपति
- प्रधानमंत्री
- केंद्रीय मंत्रिमंडल
- महान्यायवादी
- राज्यपाल
- मुख्यमंत्री
- महाधिवक्ता
- अध्यादेश संबंधित मुद्दे
- विधेयक पारित होने की प्रक्रिया
- आपातकाल प्रावधान का दुरुपयोग

9 सर्वोच्च न्यायालय

- भारत के सुप्रीम कोर्ट की संविधान के अभिभावक एवं मूल अधिकार के संरक्षक के रूप में भूमिका
- न्यायिक पुनरावलोकन
- जनहित याचिका
- न्यायिक सक्रियता
- न्यायिक नियुक्तियां
- उच्च न्यायालय
- अधीनस्थ न्यायालय
- स्थानीय सरकार

10- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग

- परिचय
- कार्यप्रणाली
- केंद्रीय सचिवालय
- लाभ एवं हानियाँ
- कैबिनेट सचिव
- कार्यकारी संगठन
- आवश्यक सुधार
- अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणाली
- राज्य सचिवालय
- मुख्य सचिव

11- प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संगठन तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका

- प्रभावक समूह क्या है?

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

- प्रकार
- भारत में प्रभावक समूहों की महत्ता
- प्रभावक समूह एवं राजनीतिक पार्टी के मध्य अंतर
- प्रभाव समूह की भूमिका का मूल्यांकन

12-विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां कार्य और उत्तरदायित्व

1. **कैग**
   a. कैग की नियुक्ति(नियुक्ति प्रक्रिया) ,कैग की संरचना
   b. कैग के कार्य एवं उत्तरदायित्व
   c. कैग की शक्तियां एवं सुविधाएं (संविधान द्वारा प्रदान किया गया एवं संसद के विभिन्न अधिनियम)

2. **निर्वाचन आयोग**
   a. निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति(नियुक्ति की प्रक्रिया) ,निर्वाचन आयोग की संरचना
   b. निर्वाचन आयुक्त के कार्य एवं जिम्मेदारियां
   c. निर्वाचन आयुक्त की शक्तियां एवं सुविधाएं(संविधान द्वारा प्रदान किया गया एवं संसद के विभिन्न अधिनियम द्वारा)

3. **संयुक्त लोक सेवा आयोग**
   a. **UPSC** की नियुक्ति(नियुक्ति की प्रक्रिया) **UPSC** की संरचना
   b. **UPSC** के कार्य एवं उत्तरदायित्व
   c. **UPSC** की शक्तियां एवं सुविधाएं(संविधान द्वारा प्रदत एवं संसद के अधिनियम द्वारा)

4. **वित्त आयोग**
   a. वित्त आयोग के नियुक्ति(नियुक्ति की प्रक्रिया)वित्त आयोग की संरचना
   b. वित्त आयोग के कार्य का उत्तरदायित्व
   c. वित्त आयोग की शक्तियां एवं सुविधाएं(संविधान द्वारा प्रदत एवं संसद के विभिन्न अधिनियम द्वारा पारित)

5. **SC ST के लिए राष्ट्रीय आयोग**
   a. **SC ST** आयोग की नियुक्ति(नियुक्ति की प्रक्रिया),आयोग की संरचना
   b. **SC ST** आयोग के कार्य एवं उत्तरदायित्व
   c. **SC ST** आयोग की शक्तियां एवं सुविधाएं(संविधान द्वारा प्रदत्त एवं संसद के विभिन्न अधिनियम द्वारा पारित)

13- सांविधिक निकाय, नियामक निकाय एवं विभिन्न अर्ध न्यायिक निकाय

- सेबी

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

- CVC
- CBI
- योजना आयोग
- राष्ट्रीय विकास आयोग
- प्रधानमंत्री कार्यालय
- क्षेत्रीय परिषद
- ट्राई
- IRDA
- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
- राज्य मानवाधिकार आयोग
- राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निस्तारण आयोग
- न्यायाधिकरण
- मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया
- पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण
- भारतीय जैव विविधता प्राधिकरण
- प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया
- वायदा बाज़ार आयोग
- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

14- कुछ संबंधित विषय

1 उच्चतर न्यायालय की नियुक्तियां

a.कॉलेजियम सिस्टम

b.वर्तमान तंत्र की कमियां

c.NJAC विवाद

d.राष्ट्रीय अपील न्यायालय

2. न्यायिक जवाबदेही

a. न्यायपालिका के कार्य में जवाबदेही और पारदर्शिता कैसे बढ़ाएं

b.न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दे

c. न्यायिक मानदंड एवं जवाबदेही विधेयक **2010**

3. कैग की नियुक्ति- एक नई कमेटी तंत्र बनाने की आवश्यकता ,जैसा कि CVC में है

4 . निर्वाचन आयोग

a.निर्वाचन आयोग की नियुक्ति**(** एक कमेटी तंत्र बनाने की आवश्यकता जैसा कि **CVC** के केस में दिखता है

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

b.निर्वाचन सुधार-राज्य द्वारा वित्तीय मदद

c.चुनाव आचार संहिता- एक कानून की आवश्यकता

d. बिकी हुई खबर का मुद्दा

5. CBI

a.सीबीआई निदेशकों की नियुक्त- कमेटी व्यवस्था

b.स्वायत्तता बनाम उत्तरदायित्व

6.लोकपाल- संवैधानिक स्थिति के मुद्दे

7. जन प्रतिनिधि अधिनियम

- आरपीए में हालिया संशोधन
- आरपीए के विभिन्न प्रावधानों पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले

8. विभिन्न राज्यों के बीच विवाद निस्तारण हेतु अंतर-राज्य परिषद की प्रासंगिकता

9. भारत में वित्तीय संघवाद

- केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय हस्तांतरण की संरचना का मुद्दा।
- वित्त आयोग और योजना आयोग की भूमिका।
- सामान और सेवाएं कर संबंधी मुद्दों।
- कराधान की अवशिष्ट शक्तियां
- राज्यों द्वारा उधार लेने पर प्रतिबंध
- केंद्र प्रायोजित योजनाओं के साथ मुद्दे और समस्याएं

10. केंद्र-राज्य वार्ता के लिए एक कुशल संस्थागत तंत्र की आवश्यकता

11. राज्यपालों की नियुक्ति और भूमिका।

12. अनुच्छेद **356** और **355** का दुरुपयोग।

13. संसद का प्रदर्शन **(15** वीं लोकसभा के दौरान**)** – स्तर में गिरावट**,** कम बहस और व्यवधान **.3**

14. विधायी प्रक्रिया के साथ जन जुड़ाव

15. संसद में हित के टकराव के मुद्दे

16. व्हिस्ल ब्लॉवर्स संरक्षण विधेयक **, 2011**

17. वस्तुओं और सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता हेतु नागरिकों के अधिकार और शिकायतों का निस्तारण विधेयक, 2011(नागरिक चार्टर)

18. राज्यों का विभाजन **-** छोटे राज्यों की आवश्यकता

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

19. सांप्रदायिक हिंसा का मुद्दा

- राज्य सरकार की भूमिका
- केंद्र की भूमिका
- मीडिया की भूमिका
- अर्धसैनिक बलों की भूमिका
- सांप्रदायिक हिंसा **(**रोकथाम नियंत्रण और पीड़ित पुनर्वास) विधेयक

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

प्रशासन और सुशासन

सरकारी नीतियाँ और कार्यान्वयन

• सरकारी नीतियों की आवश्यकता और महत्व

ए) विकास और विकास

बी) मानव विकास और मानव पूंजी निर्माण

सी) समानता (पारस्परिक, क्षेत्रीय और सामाजिक न्याय)

डी) एकता और अखंडता

ई) राज्य और नागरिकों के बीच विश्वास

• प्रभावी कार्यान्वयन

ए) प्रभावी कार्यान्वयन क्या है? दिए गए समय एवं संसाधनों के साथ और बाधाओं के बावजूद में सर्वोत्तम परिणाम,

बी) प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकताएं- प्राथमिकताओं, लाभार्थियों और उद्देश्यो की पहचान,तकनीकी और मानव क्षमता वृद्धि; अच्छा नेतृत्व, कुशल प्रबंधकीय और अन्य कर्मचारी (लेखा और वित्त कर्मचारी शामिल), पर्याप्त वित्त पोषण और धन का इष्टतम उपयोग, सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही, परिणाम- वचनबद्ध कार्य समय पर बिना कीमत बढे पूरा होना |

• प्रभावी कार्यान्वयन में चुनौतियां

ए) मानव पूंजी का सही प्रकार- शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान इत्यादि।

बी) प्रौद्योगिकी की कमी

बी) धन जुटाना

सी) कार्यान्वयन के लिए नीतियों और कार्यक्रम निर्माण - कार्यान्वयन तंत्र और नीतियों का सही प्रारूप, सहज नीतियां और विधियां, लक्ष्य अभिविन्यास, संसाधनों का लक्ष्यबद्ध और कुशल प्रयोग, जोखिम हेतु वैकल्पिक योजना

डी) जोखिम- नीतियों की तर्कसंगतता और धारणीयता, गलत- लक्ष्यीकरण, अपव्यय, भ्रष्टाचार और शोषण, समय और लागत में वृद्धि, हितों में टकराव, निहित हित आदि की संभावनाएँ

• सरकार का हस्तक्षेप

ए) सुशासन -संस्थानों, नौकरशाहों, और अन्य हितधारकों की भूमिका

बी) पारदर्शिता और जवाबदेही

सी) संसाधनों का इष्टतम उपयोग- सही लक्ष्यीकरण, अपव्यय और भ्रष्टाचार पर रोक , उपलब्ध ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार का उपयोग।

डी) निगरानी और मूल्यांकन - परिणाम बजट, शून्य आधार बजट, इनपुट आउटपुट विश्लेषण, लागत-लाभ विश्लेषण

ई) संस्थानों और नियामक मानदंडों की स्थापना कार्य बल, स्टीयरिंग समितियां और समीक्षा समितियां।

विकास प्रक्रिया और उद्योग

• विकास का अर्थ

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

- विकास और वृद्धि के बीच अंतर
- विकास प्रक्रिया- मानव विकास

(स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी, बच्चों और महिलाओं के मुद्दे, लिंग समानता), सामुदायिक विकास, राहत और पुनर्वास, आर्थिक विकास और संरचनात्मक परिवर्तन, सामाजिक विकास और अभिवृत्ति परिवर्तन,पर्यावरण और पारिस्थितिकी संरक्षण और धारणीय विकास, लोकतंत्र,स्वतंत्रता और मानवाधिकार

- **विकास की मुख्य बाधाएं**
    1. अपर्याप्त वित्तीय संसाधन
    2. संस्थानों और विस्तार व्यवस्थाओं की कमी
    3. निजी पहलों की कमी
    4. सार्वजनिक क्षेत्र विकास व्यवस्था की विफलता
    5. जागरूकता और सार्वजनिक भागीदारी की कमी
- **विकास प्रक्रिया में मुख्य हिस्सेदार**

1. **स्व सहायता समूह**
    - अर्थ
    - महत्त्व
    - उद्देश्य
    - संस्थागत संरचना और संगठन
    - वित्त पोषण

2. **माइक्रो फाइनेंस**
    - अर्थ और महत्व
    - उद्देश्य
    - संरचना और संगठन
    - लाभ
    - भारत में सूक्ष्म वित्त - एक आलोचनात्मक मूल्यांकन

3. **गैर सरकारी संगठन**
    - गैर सरकारी संगठन क्या हैं?
    - गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन (आईएनजीओ) के बीच अंतर
    - आईएनजीओ और एनजीओ के लिए संयुक्त राष्ट्र के मानदंड
4. **गैर सरकारी संगठनों और आईएनजीओ की गतिविधियों के मुख्य क्षेत्र**
    - एनजीओ और विकास परियोजनाएं
    - एनजीओ और सामुदायिक विकास
    - राहत और पुनर्वास में शामिल एनजीओ
    - आपदा प्रबंधन में शामिल एनजीओ
    - एनजीओ द्वारा जनसामान्य के मुद्दों का पक्षपोषण
5. **मुद्दे**

ORACLE IAS

• क्या एनजीओ को दिया गया पैसा लक्षित समूहों तक पहुंचता है
या सीईओ की जेब में?
• गैर सरकारी संगठन अपने लक्ष्यों को साकार करने में कितने मितव्ययी और प्रभावी हैं?
• लक्षित समूहों के प्रति एनजीओ और आईएनजीओ की जिम्मेदारी।

6. **बहुल अंतःविषय परियोजनाएं**
   - **CARE**
   - ऑक्सफैम
7. **स्वास्थ्य**
   - **Doctors Without Borders**
   - हेल्थराइट इंटरनेशनल
   - अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति
8. **बच्चे**
   - **Compassion International**
   - **Save the Children International**
   - **SOS Children's Villages**
   - रेजीओ चिल्ड्रेन फाउंडेशन
   - स्काउट आंदोलन
9. **शिक्षा**
   - एक्शनएड
   - पुस्तकालय परियोजना
10. **मानवाधिकार**
    - **Amnesty International**
    - **International Federation for Human Rights**
    - **Friends of Peoples Close to Nature**
    - **Survival International**
    - **Commonwealth Human Rights Initiative**
11. **पर्यावरण**
    - अंतर्राष्ट्रीय पीओपी उन्मूलन नेटवर्क
    - प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ **(IUCN)**
    - ग्रीनपीस
    - **WWF**

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

12. **दाता एजेंसियां**

- विशेष प्रयोजन दाता
- रक्त दान
- अल्जाइमर रोग के लिए दान
- आंख दान
- अंग दान
- वित्तीय दान
- व्यासायिक क्षेत्र
- अच्छी निवल संपत्ति वाले व्यक्ति
- धार्मिक संगठन
- भारत में विकास हेतु धर्मार्थ संगठन

केंद्र और राज्य द्वारा जनसंख्या के कमजोर वर्गों के लिए कल्याण योजनाएं

- संवैधानिक व्यवस्था
- महिला कल्याण
- बाल कल्याण
- अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण
- ओबीसी कल्याण
- अल्पसंख्यक कल्याण
- वृद्धावस्था कल्याण
- विधान
- मुद्दे
- सुधार की आवश्यकता

सामाजिक क्षेत्र / सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन के मुद्दे

- भारत में शिक्षा संरचना
- प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा
- शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा की गई पहल
- मुद्दे
- सुधार की आवश्यकता
- समितियों की सिफारिशें
- शिक्षा क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं
- कौशल विकास
- स्वास्थ्य संकेतक
- भारत में स्वास्थ्य संरचना
- निजी और सार्वजनिक स्वास्थ्य संरचना
- मुद्दे
- सुधार की जरूरत है
- नीति आयोग एक्शन एजेंडा

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

- आर्थिक विकास और मानव विकास
- मुद्दे
- सुधार की जरूरत है
- एमडीजी और भारत

16. गरीबी और भूख से संबंधित मुद्दे

- विभिन्न समितियों द्वारा गरीबी की परिभाषा
- भारत में गरीबी के आंकड़े
- गरीबी के कारण
- गरीबी और बेरोजगारी
- गरीबी और सामाजिक संघर्ष
- गरीबी पर उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का प्रभाव
- गरीबी और विकास के बीच संबंध
- ग्रामीण गरीबी
- शहरी गरीबी
- गरीबी का स्त्रीकरण
- गरीबी उन्मूलन के उपाय
- गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में समस्याएं
- गरीबी और भूख
- भारत में भूख क्यों बढ़ रही है?
- खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम और मुद्दे
- भूख और स्वास्थ्य
- राष्ट्र के आर्थिक विकास पर भूख और गरीबी का प्रभाव
- गरीबी के आंकड़ों के अनुमान से सम्बंधित विवाद

शासन व्यवस्था , पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पहलू :

- नागरिक केंद्रित शासन
- सुशासन की विशेषताएं
- विधायिका की जवाबदेही
- प्रशासनिक जवाबदेही
- न्यायिक उत्तरदायित्व
- लोकपाल
- Whistleblowers की अवधारणा
- भ्रष्टाचार विरोधी तंत्र
- नागरिकों की भूमिका
- मीडिया की भूमिका
- सामाजिक लेखा परीक्षण
- व्यवस्था में सुधार

ई-शासन

ORACLE IAS

UPSC हेतु राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और सुशासन- ओरेकल आईएएस

- परिचय
- अनुप्रयोग
- मॉडल
- सफलताएं
- सीमाएं
- भविष्य की संभावनाएं

नागरिक चार्टर

- परिचय
- मॉडल
- विशेषताएं
- भारत में नागरिक चार्टर
- नागरिक चार्टर कार्यान्वयन में मुद्दे
- सुधार की आवश्यकता

लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका

- सिविल सेवाओं की अवधारणा
- नागरिक सेवाओं की आवश्यकता
- नागरिक सेवाओं की विभिन्न भूमिका
    1. विधि निर्माण
    2. नीति तैयार करना
    3. नीतियों का कार्यान्वयन
    4. नीतियों का मूल्यांकन
    5. लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में सिविल सेवाएं
    6. अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए (धार्मिक और भाषाई)
    7. समावेशी और धारणीय विकास को प्रोत्साहित करने हेतु

संपर्क करें:
73/1 किशन नगर
कौलागढ़ रोड,
देहरादून-**248001**

कॉल करें: **09997453844, 9456331884**

ORACLE IAS